न्यूज डायरी

दुनिया के 100 प्रभावशाली लोगों की सूची में पीएम मोदी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका की मशहूर पत्रिका टाइम ने दुनिया के 100 प्रभावशाली लोगों की सूची में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी शामिल किया है। इस सूची में शामिल अन्य भारतीय लोगों में गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई, अभिनेता आयुष्मान खुराना, एचआईवी पर शोध करने वाले रविंदर गुप्ता और शाहीन बाग धरने में शामिल बिल्किस भी शामिल हैं। टाइम मैगजीन ने प्रधानमंत्री मोदी के बारे में लिखे अपने लेख में कई तल्ख टिप्पणियां की हैं। प्रधानमंत्री मोदी के अलावा इस लिस्ट में शी जिनपिंग, ताइवान की राष्ट्रपति त्साई इंग वेन, डोनाल्ड ट्रंप, कमला हैरिस, जो बाइडन, जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल समेत दुनियाभर के कई नेता शामिल हैं। टाइम मैगजीन ने पीएम मोदी के बारे में लिखा, श्लोकतंत्र के लिए सबसे जरूरी स्वतंत्र चुनाव नहीं है। इसमें केवल यह पता चलता है कि किसे सबसे अधिक वोट मिला है। इससे ज्यादा महत्वपूर्ण उन लोगों का अधिकार है जिन्होंने विजेता के लिए वोट नहीं दिया।

तुर्की के राष्ट्रपति ने यूएन में उठाया कश्मीर मुद्दा, भारत ने दिया करारा जवाब

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासभा के मंच से कश्मीर पर एक बार फिर से जहरीले बयान देने वाले तुर्की के राष्ट्रपति रेचप तैय्यप एर्दोगान को भारत ने करारा जवाब दिया है। भारत ने कहा कि तुर्की के राष्ट्रपति भारत के आंतरिक मामलों में हस्ध्तक्षेप कर रहे हैं जो पूरी तरह से अस्वीकार्य है। भारत ने कहा कि कश्मीर पर बयान देने से पहले तुर्की को खुद अपनी नीतियों की गहराई समीक्षा करनी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र में भारतीय प्रतिनिधि पीआर यूएन कृष्णमूर्ति ने एक बयान जारी करके कहा, हमने तुर्की के राष्ट्रपति का भारत के केंद्रशासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर को लेकर दिया गया बयान देखा है। वह भारत के आंतरिक मामले में हस्तक्षेप कर रहे हैं और यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है। तुर्की को दूसरे देशों की संप्रभुता का सम्मान करना सीखना चाहिए और उसे खुद अपनी नीतियों की गहराई से समीक्षा करना चाहिए।

चीन ने 40 बार भेजे फाइटर जेट, ड्रैगन से जंग की तैयारी में जुटा ताइवान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ताइपे। ताइवान और चीन के बीच तनाव गहराता जा रहा है जिससे दोनों के बीच जंग के भड़कने की आशंका तेज हो गई है। चीन ने शुक्रवार और शनिवार को करीब 40 बार ताइवान की सीमा के पास अपने लड़ाकू विमान भेजे। इसके जवाब में ताइवान ने भी चीन के हमले का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए अपनी तैयारी तेज कर दी है। ताइवान की राष्ट्रपति ने सेना की तैयारियों का जायजा लिया है और ताइवानी एयर फोर्स ने ड्रैगन पर हमले का जोरदार अभ्यास किया है। ताइवान की राष्ट्रपति त्साई इंग वेन ने ट्वीट करके कहा, ताइवान की वायुसेना किसी को धमकी नहीं देती है और न ही सैन्य उकसावे की कार्रवाई करती है। हमारे जवानों के अंदर यह इच्छाशक्ति और क्षमता है कि वे ताइवान की रक्षा कर सकें और चीनी विमानों के हमारे हवाई क्षेत्र में घुसपैठ से भयभीत नहीं है। हम इस क्षेत्र में शांति और स्थिरता कायम रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

दुनिया को सभ्यताओं की लड़ाई में नहीं पड़ना चाहिएरू शी चिनफिंग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) संयुक्त राष्ट्र। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने अमेरिका और उसकी विदेश नीतियों पर निशाना साधते हुए मंगलवार को कहा कि दुनिया को सभ्यताओं की लड़ाई में नहीं फंसना चाहिए। चिनफिंग ने यह टिप्पणी संयुक्त राष्ट्र महासभा के लिए अपने संबोधन में की। शी की यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कोरोना वायरस महामारी के लिए चीन की जवाबदेही तय करने की मांग करने के बाद आयी है। शी चिनफिंग ने संयुक्त राष्ट्र के लिए अपने संबोधन में कहा, ''बड़े देशों को बड़े देशों जैसे ही काम करने चाहिए।'' कोरोना वायरस इस वर्ष की शुरुआत में चीन में उभरा और पूरी दुनिया में फैल गया जिससे अब तक लगभग 10 लाख लोगों की मौत हो चुकी है।

नेपाली जमीन पर चीन के कब्जे का जोरदार विरोध

चीनी दूतावास के बाहर बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी जमा हो गए हैं और गो बैक चाइना के नारे लगा रहे

धमकी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काठमांडू। नेपाल के हुमला इलाके में चीन के 9 बिल्डिंग्स के निर्माण करने का नेपाल में जोरदार विरोध शुरू हो गया है। नेपाल में चीनी दूतावास के बाहर बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी जमा हो गए हैं और गो बैक चाइना के नारे लगा रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में बैनर लिया हुआ है जिस पर लिखा, बैक ऑफ चाइना। उन्होंने चीन से मांग की कि नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण बंद करे।

प्रदर्शनकारियों ने चीन से पुरानी संधि को लागू करने की भी मांग की। बता दें कि नेपाली प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ तेजी से अपनी दोस्ती को मजबूत कर रहे हैं। वहीं, ड्रैगन भी उनकी जमीन पर उसी तेजी के साथ कब्जा कर रहा है। चीन ने नेपाल के हुमला इलाके में कम से कम 9 बिल्डिंग्स का निर्माण किया है। नेपाली मीडिया में चीन के घुसपैठ की तस्वीरें वायरल होने के

बाद ओली सरकार दबाव में है और इसकी जानकारी विदेश मंत्रालय को दी गई है।

सरकारी अधिकारी ने चीनी घुसपैठ की पुष्टि की: नेपाल की वेबसाइट खबरहब डॉट काम की एक रिपोर्ट के अनुसार, हुमला के सहायक मुख्य जिला अधिकारी दलबहादुर हमाल ने स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के आधार पर 30 अगस्त से 9 सितंबर तक हुमला के लापचा–लिमी क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्हें नेपाली जमीन पर चीन के बनाए हुए 9 बिल्डिंग्स दिखाई दिए। हालांकि नेपाली मीडिया की रिपोर्ट में पहले एक बिल्डिंग का ही जिक्र था, लेकिन निरीक्षण के बाद वहां ऐसी ही 8 और बिल्डिंग्स पाई गई हैं।

हमेशा से उपेक्षित रहा है नेपाल का यह क्षेत्र: हमाल जिले का लापचा–लिपू क्षेत्र मुख्यालय से दूर होने के कारण हमेशा से उपेक्षित रहा है। नेपाल ने इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार के बुनियादी ढाचे का निर्माण नहीं किया है। नेपाली अधिकारी इस क्षेत्र का कभी दौरा भी नहीं करते हैं। चीन ने नेपाल की इसी बात का फायदा उठाकर उसकी क्षेत्र में इन बिल्डिंग्स का निर्माण किया है।

जिला प्रशासन ने गृह मंत्रालय को भेजी चीनी अतिक्रमण की रिपोर्ट अपने निरीक्षण के बाद हमाल के जिला प्रशासन कार्यालय ने अपनी रिपोर्ट नेपाल के गृह मंत्रालय को भेज दी है। इसमें नेपाली क्षेत्र में चीन के घुसपैठ के बारे में पूरी जानकारी दी गई है। वहीं, दबाव बढ़ने के बाद गृह मंत्रालय ने इस रिपोर्ट को नेपाली विदेश मंत्रालय को भेज दिया है। माना जा रहा है कि नेपाल सरकार जल्द ही चीनी अधिकारियों के सामने इस मुद्दे को उठाएगी।

पहले चीन की एक ही बिल्डिंग की थी जानकारी: हमाल जिला प्रशासन की निरीक्षण टीम में शामिल एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि हम चीन की इन इमारतों को दूर से देख सकते थे। हमने चीन द्वारा वहां बनाई जा रही एक इमारत के बारे में अफवाहें सुनी थीं, लेकिन हमारी यात्रा में आठ और पाए गए हैं।

चीनी सेना ने तिब्बत में दागी किलर मिसाइलें, बरसाए गोले

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेइचिंग। भारत और चीन में जारी भारी तनाव के बीच चीनी सेना पीपल्स लिबरेशन आर्मी ने लद्दाख के पास अपने इलाके में रात में हमले का व्यापक युद्धाभ्यास किया है। इस अभ्यास के दौरान चीनी तोपों ने जहां गोले बरसाए, वहीं जमीन से हवा में मार करने वाली मिसाइलों का भी परीक्षण किया गया। चीनी सेना के एयर डिफेंस सिस्टम ने दुश्मन के हवाई जहाजों को भी मार गिराने का अभ्यास किया।

चीन के सरकारी भोपू ग्लोबल टाइम्स ने एक वीडियो जारी करके बताया कि तिब्बत सैन्य कमांड के चीनी सैनिकों ने रात में हमले का व्यापक अभ्यास किया है। यह अभ्यास समुद्र तल से 4500 मीटर की ऊंचाई पर किया गया। इस दौरानी चीनी सेना ने सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों, रॉकेट और होवित्जर तोपों का इस्तेमाल किया। चीनी एयर डिफेंस सिस्टम ने फाइटर जेट को मार गिराने का अभ्यास किया।

राफेल लद्दाख के आसमान में उड़ान भर रहा: चीन ने यह युद्धाभ्यास ऐसे समय पर किया है जब भारत का सबसे आधुनिक फाइटर जेट राफेल लद्दाख के आसमान में उड़ान भर रहा है। सूत्रों के मुताबिक राफेल पायलटों ने अंबाला से लद्दाख तक विमानों को उड़ाया। दरअसल, ये एक प्रैक्टिस के तौर पर किया गया।

ऑस्ट्रेलिया में 380 व्हेल मछलियों की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) केनबरा। ऑस्ट्रेलिया के दक्षिणी हिस्से में कम से कम 380 पायलट व्हेल मछलियों की मौत हो गई है। इन विशालयकाय मछलियों को बचाने में लगे बचावकर्मी केवल कुछ ही मछलियों को बचा सके। बताया जा रहा है कि व्हेल मछलियों का पूरा समूह (पॉड) ही खत्म हो गया है। ये मछलियां तैरते हुए तस्मानिया के तट पर किनारे आ गई थीं और वहीं पर उथले पानी में फंस गईं। मछलियों के इतने बड़े पैमाने पर तट पर आने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पायलट व्हेलें समुद्र में पाई जाने वाली डॉल्फिन मछली की एक किस्म होती है। इसके सदस्य 7 मीटर (23 फीट) तक लंबे और 3 टन तक भारी हो सकते हैं।

चीनी टैंक पर सवार होकर पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने दी भारत को धमकी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मुजफ्फराबाद। लद्दाख में भारत और चीन में तनाव के बीच पाकिस्तानी के सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने बुधवार को पंजाब प्रांत में स्थित फील्ड फायरिंग रेंज का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने चीन के तीसरे पीढ़ी के मेन बैटल टैंक टज–4 के प्रदर्शन का जायजा लिया। जनरल बाजवा ने कहा कि पाकिस्तानी सेना प्रत्येक उभरती हुई चुनौती और क्षेत्रीय खतरे से निपटने के लिए तैयार है। भारत का नाम लिए बगैर उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा और संप्रभुता पर अगर आंच आई तो हम इसका करारा जवाब देंगे। जनरल बाजवा

हमारे ऊपर युद्ध थोपा गया तो हम करारा जवाब देंगे

ने दावा किया कि चीनी टैंक भविष्य में आक्रामक कार्रवाई में बेहद मददगार साबित होगा। उन्होंने कहा कि चीनी टैंक दुनिया के सबसे आधुनिक टैंक में से एक है। इसमें हमला करने के साथ–साथ सुरक्षा और बचाव के भी सभी हाईटेक उपकरण लगे हुए हैं। जनरल बाजवा ने कहा कि पाकिस्तानी सेना प्रत्येक उभरती हुई चुनौतियों और क्षेत्रीय खतरे से निपटने के लिए तैयार है।

बता दें कि भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में जंग जैसे हालात के बीच ड्रैगन का आयरन ब्रदर पाकिस्तान टू फ्रंट वॉर की तैयारी में जुट गया है। जनरल जावेद बाजवा ने पिछले दिनों अपने शीर्ष जनरलों के साथ रावलपिंडी स्थित सेना मुख्ध्यालय में बैठक की। इस बैठक में जनरल बाजवा ने कहा कि पाकिस्तानी सेना रणनीतिक और क्षेत्रीय हालात को ध्यान में रखते हुए जंग की अपनी तैयारी के स्तर को बढ़ा दे। पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने कहा, देश के हितों के खिलाफ पाकिस्तान विरोधी तत्वों के पांचवीं पीढ़ी के युद्ध कौशल और हाइब्रिड वॉरफेयर को देखते हुए सेना सरकार की नीतियों के साथ मिलकर देश की रक्षा करे। पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने आरोप लगाया कि भारत लगातार सीजफायर का उल्लंघन कर रहा है जो क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए बड़ा खतरा है।

ब्रह्मांड के कई ग्रहों पर मिले जीवन के संकेत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। धरती के बाहर जीवन की तलाश करने वालों को कुछ ऐसे संकेत मिल रहे हैं, जिसको लेकर वैज्ञानिक उत्साहित हैं। इस बार भी शोधकर्ताओं ने शुक्र ग्रह पर वास्तविक जीवन के रूपों की खोज तो नहीं की है, लेकिन यह माना है कि पृथ्वी पर फॉस्फीन गैस तब बनती है जब बैक्टीरिया ऑक्सीजन की गैरमौजूदगी वाले वातावरण में उसे उत्सर्जित करते हैं। इसका मतलब है कि किसी और ग्रह पर यह गैस है और अगर गैस है तो वहां बैक्टीरिया भी होंगे। ऐसे में अगर वह उत्सर्जन कर रहे हैं तो जीवन की कल्पना की जाती है। हवाई में जेम्स क्लार्क मैक्सवेल टेलीस्कोप की मदद से अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों की टीम ने सबसे पहले फॉस्फीन की खोज की और उसके बाद चिली में स्थित एटाकामा लार्ज मिलीमीटरध्सब मिलीमीटर ऐरे रेडियो टेलीस्कोप की मदद से इसकी पुष्टि की। जर्नल नेचर एस्ट्रोनॉमी में छपे इस शोध के मुख्य लेखक और कार्डिफ यूनिवर्सिटी के खगोल विज्ञानी जेन ग्रीव्स कहते हैं कि वह बहुत ही आश्चर्यचकित थे, बल्कि मैं दंग रह गए थे।